INTERNATIONAL JOURNAL OF NOVEL RESEARCH AND DEVELOPMENT (IJNRD)
© 2026 IJNRD | Volume 11, Issue 2, February 2026 | ISSN: 2456-4184 | IJNRD.ORG

# रोजगार के अवसर और भाषा कौशल

**नाम**: डॉ. प्रतिभा आनंदराव जावळे
जयसिंगपुर कॉलेज जयसिंगपुर
ता.शिरोळ जि.कोल्हापुर

**सार** –

बेरोजगारी एक बहुत बड़ी समस्या है। इस समस्या का समाधान करने के लिए स्वयंम रोजगार की निर्मिति करनी आवश्यक है। इसके लिए कौशल्य विकसित शिक्षा की जरूरत है। आजवैश्वीकरण, उदारीकरण और तकनीकी प्रगति के इस युग में रोजगार के स्वरूप में व्यापक परिवर्तन आया है। आज केवल शैक्षणिक योग्यता ही नहीं, बल्कि प्रभावी**भाषा कौशल**रोजगार प्राप्ति का प्रमुख आधार बन गया है। बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ, सेवा क्षेत्र, सूचना प्रौद्योगिकी, पर्यटन, मीडिया और शिक्षा जैसे क्षेत्रों में भाषा दक्षता को अत्यधिक महत्व दिया जा रहा है। यह शोधपत्र रोजगार के अवसरों और भाषा कौशल के आपसी संबंध का विश्लेषण करता है तथा यह स्पष्ट करता है कि किस प्रकार बहुभाषिक दक्षता व्यक्ति की रोजगार क्षमता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सशक्त बनाती है।

**मुख्य शब्द :**

रोजगार, भाषा कौशल, वैश्वीकरण, संचार क्षमता, बहुभाषिकता

**प्रस्तावना :**

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार छात्रों को कौशल आधारीत शिक्षा की आवश्यकता है। जिससे छात्र स्वयं रोजगार उपलब्ध कर सकते है।छात्रों को केवल किताबी ज्ञान के बजाय व्यावहारिक जीवन कौशल विकसित करने चाहिए। आज की दुनिया में सफलता और अपना करिअर बनाने के लिए कौशल विकसित करने जरूरी है। 21वीं सदी को ज्ञान और सूचना का युग कहा जाता है। वैश्वीकरण के कारण विश्व एक वैश्विक ग्राम (Global Village) में परिवर्तित हो गया है। इस परिवेश में विभिन्न भाषाओं का ज्ञान न केवल संवाद का माध्यम है, बल्कि यह रोजगार के नए अवसरों का द्वार भी खोलता है। आज नियोक्ता ऐसे उम्मीदवारों की तलाश में रहते हैं जिनमें प्रभावी संप्रेषण क्षमता और भाषा पर पकड़ हो।

**भाषा कौशल की संकल्पना (Concept of Language Skills)**

भारत बहुभाषी राष्ट्र है। आज संचारमाध्यमों की भाषा से जनता तक पहुंचा जा सकता है। इसके लिए भाषिक कौशल्य अपने पास होना जरूरी है।भाषा कौशल से तात्पर्य किसी भाषा को**सुनने, बोलने, पढ़ने और लिखने**की दक्षता से है। इसे चार प्रमुख भागों में विभाजित किया जा सकता है—

1. श्रवण कौशल (Listening Skills)
2. वाचन कौशल (Reading Skills)
3. लेखन कौशल (Writing Skills)
4. मौखिक अभिव्यक्ति (Speaking Skills)

इन सभी का संतुलित विकास व्यक्ति को प्रभावी संप्रेषक बनाता है।

**वैश्वीकरण और भाषा कौशल (Globalization and Language Skills)**

वैश्वीकरण के कारण अंतरराष्ट्रीय व्यापार, शिक्षा और रोजगार में तीव्र वृद्धि हुई है। अंग्रेज़ी अंतरराष्ट्रीय संपर्क भाषा (Global Language) के रूप में स्थापित हुई है, वहीं हिंदी, चीनी, फ्रेंच, जर्मन और स्पेनिश जैसी भाषाओं का महत्व भी बढ़ा है। बहुभाषिक व्यक्ति को अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में अधिक अवसर प्राप्त होते हैं।

## रोजगार के विभिन्न क्षेत्रों में भाषा कौशल की भूमिका

1. सूचना प्रौद्योगिकी (IT Sector)सूचना प्रौद्योगिकी में पिछले कुछ वर्ष से क्रांतिकारी परिवर्तन हो रहे हैं। इस क्षेत्र में आज भी अंग्रेजी का बोलबाला है। "कम्प्यूटर और इंटरनेट का अविष्कार उन देशों में हुआ जिनकी भाषा अंग्रेजी है। कम्प्युटरइंटरनेट की अपनी भाषा है ,उसे विश्व की किसी भी भाषा द्वारा संचालित किया जा सकता है। "1सूचना प्रौद्योगिकी वह तकनीक है जो डिजिटल डेटा को प्रबंधित करती है। इसमें कंप्यूटर ,सॉफ्टवेयर ,नेटवर्क और इलेट्रॉनिक उपकरणों का उपयोग किया जाता है।आईटी क्षेत्र में तकनीकी ज्ञान के साथ-साथ अंग्रेज़ी भाषा का प्रभावी प्रयोग आवश्यक है, क्योंकि अधिकांश प्रोजेक्ट और क्लाइंट अंतरराष्ट्रीय होते हैं।

2. **शिक्षा क्षेत्र (Education Sector)**
समाज के हर व्यक्ति को ज्ञानवान,कुशल और जागृत इंसान बनाना शिक्षा का मूल उद्देश्य है।प्रभावी भाषा कौशल से शिक्षक की लोकप्रियता बढ़ती है।शिक्षक, प्रशिक्षक और शोधकर्ता के लिए भाषा कौशल अनिवार्य है। ऑनलाइन शिक्षा ने वैश्विक स्तर पर शिक्षण के अवसर बढ़ाए हैं।

3. **मीडिया और पत्रकारिता (Media and Journalism)**
मिडिया के अनेक माध्यम है। जिसमें दूरदर्शन के समाचारों में देश विदेश की गतिविधियों के साथ जन में विकास कार्यों की अच्छी समझ पैदा करने की दृष्टि निर्माण की जाती है। मिडिया का मुख्य कार्य सूचना को सरल ,स्पष्ट और प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाना है। यह भाषा कौशल से ही संभव है।लेखन, रिपोर्टिंग, अनुवाद और प्रस्तुतीकरण में भाषा दक्षता सफलता की कुंजी है।

4. **पर्यटन और आतिथ्य उद्योग (Tourism and Hospitality)**
किसी भी क्षेत्र में सफलता पाने के लिए व्यक्ति के व्यक्तित्व की भूमिका महत्त्वपूर्ण होती है। व्यक्तित्व विकास हम स्वयं कर सकते है। आपकी बोली आपके व्यक्तित्व का आईना होती है। पर्यटन और उद्योग के क्षेत्र में व्यक्तिमत्व विकास महत्त्वपूर्ण है वह अपनी भाषा पर निर्भर है। "कम्यूनिकेश स्किल या संचार कौशल माहरत वो कला है जिसमें एक व्यक्ति अपनी बात दूसरे तक मौखिक ,लिखित पिक्चर ,इशारे आदि के माध्यम से प्रभावी ढंग से पहुंचाता है। "2इसमें बोली ,भाषा पर महत्त्वपूर्ण होती है।विदेशी पर्यटकों से संवाद के लिए बहुभाषिक ज्ञान आवश्यक है।

**5. कॉर्पोरेट और सेवा क्षेत्र (Corporate & Service Sector)**

ग्राहक सेवा, मानव संसाधन, विपणन आदि क्षेत्रों में प्रभावी संचार रोजगार को स्थायित्व प्रदान करता है।

## भाषा कौशल और रोजगार क्षमता (Language Skills and Employability)

भाषा कौशल व्यक्ति के आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता और समस्या समाधान कौशल को बढ़ाता है। आज “डिग्री + स्किल” का सूत्र अपनाया जा रहा है, जिसमें भाषा कौशल एक प्रमुख घटक है।"हिंदी भाषा ने आज विश्व में संपर्क भाषा का स्थान ग्रहण किया है। परिणाम स्वरूप रोजगार का सृजन भी किया है। परिणाम स्वरूप वैश्विक बाजार में भी हिंदी ने अपनी जगह बनाई है। "3 किसी भी भाषा पर अपना प्रभुत्व होना चाहिए। हिंदी भाषा बोली जानेवाले अनेक क्षेत्र है। इसमें अपना कौशल विकसित करके रोजगार निर्माण कर सकते है। “भारतीय फिल्म उद्योग दुनिया का सबसे बड़ा उद्योग बन गया है, आधुनिक तकनीक के माध्यम से अनेक भाषा में प्रसारित हो चुकी प्रसिद्ध फिल्मों को हिंदी में अनुदित किया जाने लगा है ,जिसमें पटकथा लेखन, संवाद लेखन, गीत, समीक्षा, विज्ञापन आदि के लिए हिंदी भाषा जानने वालों की आवश्यकता होती है। "4भाषा के माध्यम से ही बोलकर या लिखकर कम्युनिकेशन करते हैं। भाषा से ही मनुष्य की प्रगति हुई है।वेन जॉनसन का यह कथन उचित ही है - " बोलने से ही मनुष्य के रूप का साक्षात्कार होता है। कौआ और कोयल दोनों का रंग काला होता है, इसीलिए एक जैसे नजर आते है, परंतु वसंत ऋतु के आगमन पर जब कोयल का मधुर स्वर सुनते हैं और कौआ कर्कश स्वर में बोलता है तो अंतर् स्पष्ट हो जाता है।"5 भाषा के कारण ही आपके व्यक्तित्व की झलक दिखाई देगी। आज व्यक्ति की पहचान ही वाणी से होती है।

## चुनौतियाँ (Challenges)

- ग्रामीण और पिछड़े क्षेत्रों में भाषा प्रशिक्षण की कमी
- अंग्रेज़ी भाषा को लेकर मानसिक भय
- व्यावहारिक प्रशिक्षण का अभाव

## समाधान और सुझाव (Suggestions and Solutions)

- विद्यालय स्तर से भाषा कौशल आधारित शिक्षा
- स्पोकन इंग्लिश और कम्युनिकेशन स्किल्स के पाठ्यक्रम
- डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भाषा प्रशिक्षण
- इंटर्नशिप और प्रेजेंटेशन आधारित शिक्षण
- अनुवादविज्ञानकेमाध्यमसेअन्यभाषाकौशलविकसितकरना।

## निष्कर्ष (Conclusion)

यह स्पष्ट है कि भाषा कौशल और रोजगार के अवसरों के बीच गहरा संबंध है। आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में वही व्यक्ति सफल हो सकता है जो बहुभाषिक, आत्मविश्वासी और प्रभावी संप्रेषक हो। भाषा कौशल न केवल रोजगार दिलाने का साधन है, बल्कि यह व्यक्ति के सर्वांगीण विकास का आधार भी है।

## संदर्भ सूची (References)

1. प्रयोजनमूलक हिंदी : प्रयुक्ति और अनुवाद - वाणी प्रकाशन दिल्ली पृष्ट 49
2. कैरिअर एवं रोजगार समस्या एवं समाधान - करण चतुर्वेदी पृष्ट 47
3. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग - डॉ.नानासाहेब गोरे पृ. 138
4. संचार माध्यमों में हिंदी का प्रयोग - डॉ.नानासाहेब गोरे पृ. 138
5. सूचना विज्ञान के बहु आयामी प्रभाव - डॉ गोविन्द गुंठे पृ. 79

• **Copyright & License:**
© Authors retain the copyright of this article. This work is published under the Creative Commons Attribution 4.0 International License (CC BY 4.0), permitting unrestricted use, distribution, and reproduction in any medium, provided the original work is properly cited.